The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

16 June 2021

रांची

डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसरों पर इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में पैनल चर्चा आयोजित

वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग मोड में "डिजिटल मार्केटिंग में करियर के अवसर" पर इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनलिस्ट में डॉ. ऋषि द्वेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईबीएस हैदराबाद, आईएफएचई और श्री जॉयदीप मुखर्जी, सीएफओ, विजन आरएक्स लैब, विश्व प्रसिद्ध फ्रेंच मल्टी-नेशनल, एस्सिलोर लक्सोटिका ग्रुप की सहायक कंपनी ले थे तथा प्रोफेसर ओआरएस राव, विश्वविद्यालय के कुलपति पैनल चर्चा के मॉडरेटर थे।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "अब, हम सभी व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों रूप से एक डिजिटल दुनिया में तेजी से जी रहे हैं। कोविद-19 ने इस प्रवृत्ति को गति दी और जो कोविद के बाद भी बनी रहेगी। पेशेवर रूप से विकसित होने के लिए, यह आवश्यक है कि सभी छात्रों के साथ-साथ काम करने वाले पेशेवरों को डिजिटल कौशल हासिल करना चाहिए। "डिजिटल मार्केटिंग विभिन्न क्षेत्रों में करियर के विशाल अवसर पैदा कर रहा है, जिसका उपयोग केवल आवश्यक डिजिटल कौशल वाले लोग ही कर सकते हैं। प्रो राव ने कहा की इसे देखते हुए, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे बीबीए, बी कॉम, बीसीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में डिजिटल मार्केटिंग को शामिल किया गया है।

डिजिटल मार्केटिंग लैंडस्केप के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या करते हुए, डॉ ऋषि द्वेसर ने विस्तार से बताया कि कैसे डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां, फैसिलिटेटर (जैसे गूगल और हबस्पॉट), प्रकाशक (जैसे फेसबुक और यू ट्यूब) और विज्ञापन कंपनियां सामग्री निर्माण, सामग्री विपणन, अभियान, रणनीति, परामर्श आदि जैसे क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की एक श्रृंखला पैदा कर रही हैं।
कंपनियों द्वारा डिजिटल मार्केटिंग खर्च में वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए, श्री जॉयदीप मुखर्जी ने कहा, "डिजिटल विज्ञापन 2020 में 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 तक 54000 करोड़ रुपये हो जाएगा। प्रमुख जॉब साइट के अनुसार डिजिटल मार्केटिंग में अब तक लगभग 1.46 लाख जॉब ओपनिंग उपलब्ध हैं। अगले 2-3 सालों में जॉब मार्केट में सोशल मीडिया मार्केटिंग और मोबाइल मार्केटिंग का दबदबा रहेगा। अगले 2 वर्षों में 8.60 लाख नौकरियों के उद्घाटन के साथ डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ अगले 2 वर्षों में शीर्ष 10 नौकरियों में शामिल होंगे। वेतन स्तरों का उल्लेख करते हुए, श्रीमती मुखर्जी ने कहा, "सामग्री लेखकों के लिए औसत वार्षिक वेतन 3.5 लाख रुपये से लेकर डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधकों के लिए 6-10 लाख रुपये तक है।"

प्रतिभागियों के सवालों का जवाब देते हुए, डॉ द्वेसर ने उन्हें उनकी शैक्षिक योग्यता और योग्यता के आधार पर डिजिटल मार्केटिंग में भूमिकाओं के प्रकार का चयन करने की सलाह दी। रचनात्मक कौशल वाले लोग सामग्री निर्माण भूमिकाओं का चयन कर सकते हैं जबकि विश्लेषणात्मक और आईटी कौशल वाले लोग खोज इंजन अनुकूलन और खोज इंजन विपणन भूमिकाओं का विकल्प चुन सकते हैं। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, श्रीमती मुखर्जी ने स्पष्ट किया कि महिलाएं भी डिजिटल मार्केटिंग करियर अपना सकती हैं क्योंकि बहुत सारे रिमोट वर्किंग / डेस्क टॉप जॉब उपलब्ध हैं, जिन्हें यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है।

विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुदीप्त मजूमदार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

==========